पाठ 2 सपनों के से दिन (गुरदयाल सिंह)

बोध - प्रश्न

प्रश्न 1. कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं बनती। पाठ के किस अंश से यह सिद्ध होता है?

उत्तर 1: उत्तर: यह बात सिद्ध होती है जब लेखक यह बताते हैं कि उनके आसपास के बच्चों को उनके माता-पिता पढ़ाई के लिए नहीं भेजते। वे कहते हैं, "थोड़ा बड़ा हो जाए तो पंडित घनश्याम दास से छह-आठ महीने में बच्चों को दुकान पर काम करने के लिए आवश्यक सभी चीजें सिखा देंगे, जैसे लंडे (व्यवसाय संबंधित काम) और मुनीमी (लेखन और गणना का काम)। जबकि, यह स्थिति ऐसे बच्चों की है जो अभी तक बुनियादी पढ़ाई जैसे 'अ', 'ब', 'स' भी नहीं सीख पाए हैं। इसका मतलब है कि ये बच्चे पढ़ाई के लिए तैयार नहीं हैं, लेकिन उन्हें कार्यस्थल पर काम सिखाया जा रहा है।

प्रश्न 2. पीटी साहब की 'शाबाश' फौज के तमगों-सी क्यों लगती थी ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर 2- (i) कठोर अध्यापक - पीटी साहब की 'शाबाश' को फौज के तमगों जैसा मानने का मुख्य कारण उनका सख्त और कठोर स्वभाव था। वह बच्चों को अक्सर डांटते और अनुशासन बनाए रखने के लिए शारीरिक सजा भी देते थे। लेखक खुद कहता है कि अगर कोई व्यक्ति, जो रोज़ फटकारता हो, एक साल बाद कभी 'शाबाश' कहे तो वह बहुत खास और चमत्कारी लगता है। हमारी स्थिति भी कुछ ऐसी ही हुआ करती थी।
(ii) स्काउटिंग में रुचि - लेखक को स्काउटिंग और परेड में गहरी रुचि थी, और इस कारण पीटी साहब की 'शाबाश' उसे विशेष रूप से सम्मानित और पुरस्कार स्वरूप लगती थी।

प्रश्न 3. नयी श्रेणी में जाने और नयी कापियों और पुरानी किताबों से आती विशेष गंध से लेखक का बालमन क्यों उदास हो उठता था ?

उत्तर 3- (i) नई श्रेणी की कठिनाई - लेखक का बालमन इसलिए उदास हो जाता था क्योंकि उसे लगता था कि नई श्रेणी की पढ़ाई पहले से अधिक कठिन होगी। उसे यह भी डर था कि नए अध्यापक होंगे और वे हमसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे।

(ii) अध्यापकों से डर - लेखक को यह भी डर था कि अध्यापक उससे बहुत उम्मीदें रखेंगे और यदि वह उन उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका, तो वह उसे कठोर सजा देंगे। इस भय से भी लेखक का मन उदास हो उठता था।

प्रश्न 4. स्काउट परेड करते समय लेखक अपने को महत्त्वपूर्ण 'आदमी' फौजी जवान क्यों समझने लगता था ?

उत्तर 4- लेखक स्काउट परेड करते समय खुद को एक महत्वपूर्ण 'आदमी' या फौजी जवान महसूस करता था, क्योंकि उसे परेड में शामिल होने और अनुशासन का पालन करने में बहुत आनंद आता था। वह याद करता है कि जब मास्टर प्रीतम चंद स्काउटों को परेड करवाते थे, तो वे 'लेफ्ट राइट' की आवाज़ देते और हमें पंक्तियों में चलने के लिए कहते। जब हम 'राइट टर्न', 'लेफ्ट टर्न', या 'अबाउट टर्न' कहते हुए बूटों की ठक-ठक आवाज़ करते

हुए मुड़ते थे, तो हमें लगता था कि हम बस विद्यार्थी नहीं, बल्कि किसी फौजी जवान की तरह महत्त्वपूर्ण और गर्वित हैं।

प्रश्न 5. हेडमास्टर शर्मा जी ने पीटी साहब को क्यों मुअत्तल कर दिया?

उत्तर 5-

(i) बच्चों के साथ क्रूर व्यवहार के कारण- पीटी साहब को मुअत्तल करने का मुख्य कारण उनका बच्चों के प्रति क्रूर व्यवहार था। उन्होंने बच्चों को एक पाठ याद करने को दिया, जिसे कोई भी बच्चा नहीं याद कर सका। इसके परिणामस्वरूप, उन्होंने बच्चों को बहुत कठोर सजा दी।

(ii) हेडमास्टर शर्मा जी का सरल और दयालु स्वभाव- लेखक के विद्यालय के हेडमास्टर शर्मा जी स्वभाव से बहुत ही सरल और विनम्र थे। वे बच्चों को मारपीट के बजाय प्यार से पढ़ाना पसंद करते थे। जब उन्होंने पीटी साहब को बच्चों को सजा देते देखा, तो उन्होंने यह सहन नहीं किया और पीटी साहब को मुअत्तल कर दिया।

प्रश्न 6. लेखक के अनुसार उन्हें स्कूल खुशी से भागे जाने की जगह न लगने पर भी रूप और क्यों उन्हें स्कूल जाना अच्छा लगने लगा ?

उत्तर 6:

(1) स्काउटिंग का अभ्यास - लेखक को स्कूल जाने का एक कारण स्काउटिंग का अभ्यास था। उन्हें जब स्काउटिंग के दौरान नीली और पीली झंडियाँ पकड़े हुए पीटी साहब के साथ दाएँ-बाएँ, ऊपर-नीचे करने का अभ्यास होता था, तो यह बहुत अच्छा लगता था। इसके साथ ही उन्हें अपनी खाकी वर्दी और गले में बंधा दोरंगा रुमाल भी बहुत प्रिय था।

(2) पीटी साहब की शाबाशी - लेखक को परेड के समय पीटी साहब से मिली शाबाशी बहुत प्रिय थी। उन्हें यह शाबाशी गुड के स्वाद से भी अधिक मीठी और संतोषजनक लगती थी, और यही कारण था कि उन्हें स्कूल जाना अच्छा लगने लगा।

प्रश्न 7. लेखक अपने छात्र जीवन में स्कूल से छुट्टियों में मिले काम को पूरा करने के लिए क्या-क्या योजनाएँ बनाया करता था और उसे पूरा न कर पाने की स्थिति में किसकी भाँति 'बहादुर' बनने की कल्पना किया करता था?

उत्तर **7:**

(1) योजनाएँ - शुरुआत में, लेखक छुट्टियों का समय खेल-कूद में बिताता था। लेकिन जैसे-जैसे छुट्टियाँ समाप्त होने को आती, वह छुट्टियों के काम को पूरा करने का हिसाब करने लगता। उसे याद था कि मास्टर जी कभी भी दो सौ से कम सवाल नहीं देते थे। वह सोचता था कि अगर वह रोज़ दस सवाल हल करे, तो बीस दिन में वह काम पूरा कर सकेगा। इस तरह का विचार करते समय, छुट्टियों का एक महीना और बाकी होता था। फिर भी, एक-एक दिन गिनते हुए खेल-कूद में समय और निकल जाता। इसी बीच, स्कूल की पिटाई का डर बढ़ने लगता था। लेकिन डर को दूर करने के लिए वह सोचता था, "दस की बजाय, पंद्रह सवाल रोज़ हल किए जा सकते हैं।"

(2) बहादुर बनने की कल्पना - लेखक के कई सहपाठी ऐसे थे, जो छुट्टियों का काम करने के बजाय मास्टरों से पिटाई को ही अधिक आसान समझते थे। जब लेखक अपना काम नहीं कर पाता था, तो वह उन्हीं की तरह 'बहादुर' बनने की कल्पना करता था।

प्रश्न 8. पाठ में वर्णित घटनाओं के आधार पर पीटी सर की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

उत्तर 8-

(i) कठोर अध्यापक - लेखक के अनुसार, पीटी सर का स्वभाव काफी कठोर था। वे पीटी कक्षाओं के दौरान पूरी तरह से अनुशासन बनाए रखते थे। यदि कोई छात्र गतिविधि में लापरवाही करता या हिलता-डुलता दिखता, तो वे उसे सख्त सजा देते थे। उनका शारीरिक और मानसिक रूप से कठोर व्यक्तित्व था।

(ii) अनुशासनप्रिय - पीटी सर को कार्यों में अनुशासन बनाए रखना अत्यंत पसंद था। वे हमेशा सभी को अनुशासन के दायरे में रखना चाहते थे। लेखक ने खुद उल्लेख किया कि उनके द्वारा निर्धारित अनुशासन में रहते हुए ही उसने सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त की।

(iii) कठोर सजा देने वाले - पीटी सर अपना अनुशासन लागू करने के लिए कभी-कभी अत्यधिक सख्त हो जाते थे। जब बच्चे पाठ याद नहीं कर पाते, तो वे उन्हें कठोर सजा देते, जिसके कारण उन्हें निलंबित भी किया गया था।

प्रश्न 9. विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने के लिए पाठ में अपनाई गई युक्तियों और वर्तमान में स्वीकृत मान्यताओं के संबंध में अपने विचार प्रकट कीजिए।

उत्तर 9-

(i) पाठ में अपनाई गई युक्तियाँ – विद्यार्थियों को अनुशासन में बनाए रखने के लिए पाठ में पीटी मास्टर ने पिटाई का सहारा लिया है। वह छात्रों को अनुशासन सिखाने के लिए कठोर सजा देते हैं, जो कि एक गलत तरीका है। इस प्रकार के दंड से विद्यार्थियों में डर और आक्रोश उत्पन्न होता है।

(ii) वर्तमान में स्वीकृत मान्यताएँ – आजकल विद्यार्थियों को मार-पीट से अधिक स्नेह और समझदारी से पढ़ाने पर जोर दिया जाता है। अब शिक्षकों को यह निर्देश दिए जाते हैं कि वे बच्चों को प्यार से समझाएं और उनकी समस्याओं को जानकर समाधान करें। शिक्षक को विद्यार्थियों के साथ मित्रवत व्यवहार करना चाहिए। इसका सकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिला है, क्योंकि अब बच्चे स्कूल जाने से डरते नहीं हैं और खुशी-खुशी स्कूल जाते हैं।

प्रश्न 10. बचपन की यादें मन को गुदगुदाने वाली होती हैं विशेषकर स्कूली दिनों की। अपने अब तक के स्कूली जीवन की खट्टी-मीठी यादों को लिखिए।

उत्तर **10**

स्कूली जीवन मेरी यादों का एक अहम हिस्सा है, जिसमें सुख-दुख की यादें हमेशा मेरे मन को खुश कर देती हैं। बचपन में स्कूल जाना मुझे बहुत अच्छा लगता था, खासकर उन दिनों में जब हमारी क्लास में कुछ मजेदार घटनाएं होती थीं।

गर्मी की छुट्टियों के बाद स्कूल में लौटने की यादें मुझे हमेशा ताजगी से भर देती हैं। जब हम नए बैग और किताबों के साथ स्कूल जाते थे, तो नए सत्र का एक खास रोमांच होता था। घर पर बोरियत महसूस होती थी, लेकिन स्कूल की रौनक कुछ और ही थी। पहले दिन अपनी पुरानी दोस्ती को फिर से जीने और नई किताबों की खुशबू का अनुभव करना बहुत अच्छा लगता था।

एक और मजेदार घटना मुझे याद आती है, जब एक दिन हमारी कक्षा में हंसी का माहौल बन गया था। शिक्षक ने हमसे एक कहानी सुनाने को कहा, और मेरी सहेली ने उसे इतनी मजेदार तरीके से सुनाया कि पूरे कक्षा में हंसी का बवंडर मच गया। उस दिन हम सबकी हंसी से कक्षा गूंज उठी, और शिक्षक भी हंसते-हंसते मुस्कुरा रहे थे।

हालाँकि कुछ खट्टी यादें भी हैं, जैसे परीक्षा के समय का तनाव और कुछ विषयों में कठिनाई का सामना करना। गणित का विषय मुझे हमेशा चुनौतीपूर्ण लगता था, और कभी-कभी मुझे अध्यापक की डांट भी सुननी पड़ती थी। लेकिन वह क्षण मुझे आज भी याद आते हैं, क्योंकि उन्हीं से मैंने मेहनत की अहमियत समझी।

स्कूल की छुट्टियों में दोस्तों के साथ खेलना, पिकनिक पर जाना और वार्षिकोत्सव में भाग लेना भी बहुत यादगार थे। यह सभी अनुभव मिलकर स्कूल के जीवन को और भी खास बनाते थे।

आज भी स्कूली जीवन की यह खट्टी-मीठी यादें मेरे दिल को सुकून देती हैं और मैं अक्सर इन्हें याद करके मुस्कुरा उठता हूँ।

प्रश्न 11 प्रायः अभिभावक बच्चों को खेल-कूद में ज्यादा रुचि लेने पर रोकते हैं और समय बरबाद न करने की नसीहत देते हैं। बताइए-

क) खेल आपके लिए क्यों ज़रूरी हैं?

(ख) आप कौन से ऐसे नियम-कायदों को अपनाएंगे जिससे अभिभावकों को आपके खेल पर आपत्ति न हो?

उत्तर 11:

(क) खेल हमारे जीवन का अहम हिस्सा हैं। ये न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करते हैं, बल्कि मानसिक विकास में भी योगदान करते हैं। खेलों से हमारे शरीर में ऊर्जा बनी रहती है और तनाव कम होता है। इसके अलावा, आजकल खेलों में करियर बनाने के कई अवसर भी उपलब्ध हैं, जिससे खिलाड़ी अच्छा धन भी कमा सकते हैं। खेल हमें मनोरंजन और खुशी प्रदान करते हैं, साथ ही स्वास्थ्य को भी सुदृढ़ बनाए रखते हैं।

(ख) हम खेल के लिए निर्धारित समय का पालन करेंगे ताकि पढ़ाई और खेल के बीच संतुलन बना रहे। खेल को ज्यादा समय देने के बजाय, हम समय सारणी बनाकर दोनों (पढ़ाई और खेल) में उचित समय बिताएंगे। इस तरह अभिभावकों को भी यह महसूस होगा कि खेल से पढ़ाई में कोई बाधा नहीं आती।

पाठ 2: सपनों के से दिन (गुरदयाल सिंह) पर आधारित अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न–उत्तर

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1. लेखक को ट्रैक्टर चलाने का अनुभव कैसा रहा?

उत्तर 1: लेखक ने पहली बार ट्रैक्टर चलाते समय बहुत उत्साह और आनंद महसूस किया। उसे खेत की मिट्टी में ट्रैक्टर चलाकर अपार खुशी मिली। इस अनुभव में उसे ग्रामीण जीवन की सादगी और श्रम की गरिमा का बोध हुआ। शुरुआत में थोड़ी कठिनाई हुई, परंतु उसने सीखने की ललक से इसे सरल बना लिया। यह अनुभव उसके लिए सपनों जैसे दिनों की याद बन गया।

प्रश्न 2. लेखक की गाँव में बिताई गई छुट्टियाँ क्यों अविस्मरणीय रहीं?

उत्तर 2: लेखक की गाँव में बिताई गई छुट्टियाँ इसलिए अविस्मरणीय रहीं क्योंकि वहाँ उसने ग्रामीण जीवन को नजदीक से देखा और अनुभव किया। खेतों में काम करना, पशुओं की देखभाल करना और ग्रामीणों की आत्मीयता ने उसे बहुत प्रभावित किया। उसे प्रकृति के समीप रहने का अवसर मिला, जो शहरी जीवन से बिलकुल भिन्न था। यही कारण है कि वह समय उसके लिए 'सपनों जैसे दिन' बन गया।

प्रश्न 3. लेखक को हल चलाने की क्रिया में क्या विशेष अनुभव हुआ?

उत्तर 3: लेखक को हल चलाने के समय जमीन की खुशबू, मिट्टी से जुड़ाव और श्रम की गरिमा का अनुभव हुआ। उसे यह काम नया और चुनौतीपूर्ण लगा, परंतु यह उसे बहुत आत्मिक संतोष देने वाला भी प्रतीत हुआ। इस क्रिया ने उसे प्रकृति से जोड़ दिया और उसने महसूस किया कि मेहनत करने वालों का जीवन वास्तव में प्रशंसनीय होता है।

प्रश्न 4. लेखक के अनुसार गाँव के लोगों में कौन-सी विशेषताएँ थीं?

उत्तर 4: लेखक ने महसूस किया कि गाँव के लोग बेहद सरल, मेहनती और आत्मीय होते हैं। वे प्रकृति के अनुरूप जीवन जीते हैं और एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनते हैं। उनका जीवन कठिनाइयों से भरा होता है, फिर भी वे संतोषपूर्वक रहते हैं। लेखक को उनकी आत्मीयता और सहयोग की भावना ने गहराई से प्रभावित किया।

प्रश्न 5. लेखक की गाँव यात्रा ने उसके दृष्टिकोण को कैसे बदला?

उत्तर 5: गाँव की यात्रा ने लेखक के जीवन-दृष्टिकोण में परिवर्तन ला दिया। पहले वह केवल शहरी सुविधाओं और आराम को ही जीवन समझता था, परंतु गाँव में रहकर उसे श्रम, प्रकृति और सादगी का मूल्य समझ आया। वह महसूस करने लगा कि वास्तविक सुख केवल भौतिक साधनों में नहीं, बल्कि संतोष, सामूहिकता और श्रम में भी होता है।

प्रश्न 6. लेखक को बैल चलाने का अनुभव कैसा लगा?

उत्तर 6: लेखक को बैल चलाने का अनुभव नया और रोमांचक लगा। जब उसने पहली बार हल में बैलों को जोड़ा, तो उसे थोड़ा डर लगा, पर बाद में उसे इस कार्य में आनंद आने लगा। बैलों की गति, उनकी मेहनत और धरती से उसका सीधा संपर्क उसे अत्यंत आत्मीय अनुभव प्रदान कर रहा था। यह अनुभव उसने जीवन में पहली बार पाया।

प्रश्न 7. लेखक को गाँव में कौन-सी बात सबसे अधिक आकर्षित करती है?

उत्तर 7: लेखक को गाँव की सबसे आकर्षक बात वहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और लोगों की आत्मीयता लगी। खेतों

की हरियाली, खुले आकाश के नीचे काम करने का आनंद और ग्रामीणों का सहज व्यवहार उसे अत्यंत भाया। उसे महसूस हुआ कि गाँव की शांति और सादगी में एक अलग ही सुख है, जो शहरी जीवन में नहीं मिलता।

प्रश्न 8. 'सपनों जैसे दिन' शीर्षक को लेखक ने क्यों उचित माना?

उत्तर 8: लेखक ने अपने गाँव प्रवास को इसलिए 'सपनों जैसे दिन' कहा क्योंकि वह समय उसके लिए बहुत अनोखा और सुखद रहा। खेतों में काम करना, मिट्टी की खुशबू, पशुओं की देखभाल और ग्रामीण जीवन की सहजता उसे अविस्मरणीय अनुभव दे गई। वह समय उसके लिए स्वप्न के समान था, जहाँ उसने नए अनुभवों से जीवन को गहराई से समझा।

प्रश्न 9. लेखक को गाँव की कौन-सी बातें सीखने को मिलीं?

उत्तर 9: गाँव में लेखक को श्रम का महत्व, सादगी में सुख, सामूहिकता और प्रकृति के साथ तालमेल जैसी बातें सीखने को मिलीं। उसने जाना कि शारीरिक श्रम केवल मेहनत नहीं, बल्कि आत्म-संतोष और आत्मगौरव का स्रोत भी है। इन अनुभवों ने लेखक की सोच में गहराई और संवेदना बढ़ाई।

प्रश्न 10. लेखक ने गाँव में किस प्रकार की कठिनाइयों का अनुभव किया?

उत्तर 10: लेखक ने गाँव में रहकर शारीरिक श्रम की कठिनाइयों को महसूस किया। खेतों में काम करना, मिट्टी से सने रहना, धूप में हल चलाना और थकावट के बावजूद कार्य करते रहना उसे चुनौतीपूर्ण लगा। परंतु इन्हीं कठिनाइयों ने उसे श्रम के महत्व और उसके भीतर छिपे आनंद का बोध कराया।

प्रश्न 11. लेखक को ग्रामीण बच्चों के व्यवहार में क्या विशेषता दिखी?

उत्तर 11: लेखक को ग्रामीण बच्चों में सहजता, चंचलता और जीवंतता नजर आई। वे प्रकृति के साथ खेलते और खुले वातावरण में स्वतंत्रता से जीते थे। उनके पास भले ही आधुनिक साधन न थे, परंतु उनके चेहरों पर संतोष और उत्साह की चमक थी। यह लेखक के लिए नया अनुभव था, जिसने उसे बच्चों के वास्तविक सुख का अर्थ बताया।

प्रश्न 12. लेखक ने गाँव में किस प्रकार का भोजन किया और उसका क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर 12: गाँव में लेखक ने सादा, ताजे और मिट्टी की महक से भरा भोजन किया। यह भोजन बिना मसालों और तेल के बना था, फिर भी उसमें आत्मीयता और स्वाद था। इस प्रकार के भोजन ने न केवल लेखक के शरीर को ऊर्जा दी, बल्कि उसके मन को भी संतुष्टि प्रदान की। उसे पहली बार भोजन का असली स्वाद मिला।

प्रश्न 13. लेखक को ट्रैक्टर और बैल की तुलना में क्या अंतर महसूस हुआ?

उत्तर 13: लेखक को ट्रैक्टर चलाना आधुनिक और तेज लगा, जबकि बैल चलाना धीमा पर आत्मीय अनुभव था। ट्रैक्टर से जहाँ कार्य जल्दी होता था, वहीं बैल के साथ काम करने में धरती से सीधा संबंध महसूस होता था। बैल चलाते समय उसे परंपरा, धैर्य और प्रकृति का साथ मिला, जो ट्रैक्टर में नहीं था।

प्रश्न 14. गाँव के लोग आधुनिक साधनों के बिना भी कैसे संतुष्ट रहते हैं?

उत्तर 14: गाँव के लोग आधुनिक साधनों के बिना भी संतुष्ट इसलिए रहते हैं क्योंकि वे प्रकृति के अनुरूप जीवन जीते हैं। उन्हें श्रम का महत्व पता है, और वे आपसी सहयोग व आत्मीयता में विश्वास रखते हैं। उनकी सादगी और संतोषप्रियता ही उन्हें मानसिक रूप से मजबूत और सुखी बनाती है।

प्रश्न 15. लेखक ने गाँव में कौन-सी मूल्यवान अनुभूति प्राप्त की?

उत्तर 15: लेखक ने गाँव में श्रम की गरिमा, प्रकृति से जुड़ाव और आत्मीय संबंधों की मूल्यवान अनुभूति प्राप्त की। वहाँ उसने जाना कि सादगी में भी सौंदर्य और शांति हो सकती है। ये अनुभूतियाँ उसके मन को गहराई से स्पर्श कर गईं और उसे जीवन के सही अर्थ से परिचित कराया।

प्रश्न 16. "सपनों के से दिन " शीर्षक में लेखक ने किस प्रकार की भावनाएँ व्यक्त की हैं?

उत्तर 16: "सपनों के से दिन " शीर्षक में लेखक ने अपनी गाँव यात्रा के दौरान अनुभव किए गए आनंद, सादगी और संतोष की भावनाओं को व्यक्त किया है। गाँव के अनुभवों ने उसे एक नए जीवन दृष्टिकोण से अवगत कराया, जहाँ मेहनत और सामूहिकता के बीच सुख और शांति मिलती है। इसने उसे एक अविस्मरणीय और सजीव अनुभव दिया, जिसे वह सपनों के से दिनों की तरह याद करता है।

प्रश्न 17. "सपनों के से दिन " में लेखक ने जिन गतिविधियों का वर्णन किया है, उनमें से कौन सी गतिविधि सबसे प्रिय रही?

उत्तर 17: "सपनों के से दिन " में लेखक को हल चलाने और बैल चलाने की गतिविधियाँ सबसे प्रिय रही। इन कार्यों ने उसे प्रकृति के पास महसूस कराया और उसने श्रम की गरिमा और भूमि के साथ अपने संबंध को महसूस किया। यह अनुभव उसे जीवन के असली आनंद का अहसास दिलाता है, जिसे वह हमेशा याद रखना चाहता है।

प्रश्न 18. लेखक के अनुसार "सपनों के से दिन " में जो सुख था, वह किस कारण से था?

उत्तर 18: लेखक के अनुसार "सपनों के से दिन " में जो सुख था, वह शारीरिक श्रम, सादगी और ग्रामीण जीवन के साथ गहरे संबंध से आया था। गाँव की शांतिपूर्ण और प्राकृतिक जीवनशैली ने उसे मानसिक शांति दी। यह सुख बाहरी भौतिक सुखों से अलग था और आत्मिक संतोष पर आधारित था, जो उसे हमेशा याद रहेगा।

प्रश्न 19. "सपनों के से दिन " में लेखक ने जो बच्चों का चित्रण किया है, वह किस प्रकार का है?

उत्तर 19: "सपनों के से दिन " में लेखक ने बच्चों का चित्रण सहज, चंचल और जीवन से भरपूर रूप में किया है। वे खेलते-कूदते, खुले आकाश में अपनी खुशियाँ मनाते हैं। उनका जीवन साधारण है, लेकिन वे उसी में पूरी तरह संतुष्ट हैं। यह चित्रण लेखक को जीवन के असली अर्थ को समझने में मदद करता है।

प्रश्न 20. "सपनों के से दिन " में लेखक को कौन-सी कठिनाइयाँ महसूस हुई, जो उसके लिए नई थीं?

उत्तर 20: "सपनों के से दिन " में लेखक को गाँव के कठिन श्रमिक कार्य, जैसे हल चलाना और बैल चलाना, नई और कठिनाईपूर्ण लगीं। इन कार्यों में शारीरिक श्रम की आवश्यकता थी, जो शहरी जीवन में कभी अनुभव नहीं हुआ था। लेकिन इन कठिनाइयों ने उसे नए अनुभव और आत्मिक संतोष दिया, जिसे वह कभी नहीं भूल सकेगा।

प्रश्न 21. "सपनों के से दिन " में लेखक ने किस प्रकार के भोजन का वर्णन किया है?

उत्तर 21: "सपनों के से दिन " में लेखक ने गाँव के सादा, ताजे और स्वादिष्ट भोजन का वर्णन किया है। यह भोजन बिना किसी अत्यधिक मसाले या परिष्कृत तरीकों से तैयार किया गया था, फिर भी उसमें एक प्राकृतिक स्वाद था। यह भोजन न केवल शारीरिक रूप से ताजगी देता था, बल्कि मन को भी शांति और संतुष्टि प्रदान करता था, जैसे सपनों जैसा कोई अनुभव।

प्रश्न 22. "सपनों के से दिन " में लेखक को प्रकृति से क्या सीखने को मिला?

उत्तर 22: "सपनों के से दिन" में लेखक को प्रकृति से यह सीखने को मिला कि जीवन की सरलता और शांति में सबसे अधिक सुख है। उसने जाना कि प्रकृति के साथ जुड़कर काम करना और उसकी सुंदरता में खो जाना ही असली सुख है। यह सीख उसे जीवन के वास्तविक अर्थ को समझने में मदद करती है।

प्रश्न 23. "सपनों के से दिन " में लेखक के अनुभवों का समाज पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर 23: "सपनों के से दिन" में लेखक के अनुभवों ने समाज के प्रति उसके दृष्टिकोण को बदल दिया। उसने महसूस किया कि भले ही लोग शहरी जीवन में आराम से रहते हैं, लेकिन असली सुख और संतोष काम में है, विशेष रूप से जब वह सामूहिक रूप से कार्य करते हैं और प्रकृति के साथ मिलकर जीवन जीते हैं। इस अनुभव ने उसे समाज की वास्तविकता और संघर्ष को समझने में मदद की।

प्रश्न 24. "सपनों के से दिन " में लेखक के अनुभवों को क्या संदेश मिलता है?

उत्तर 24: "सपनों के से दिन" में लेखक के अनुभवों से यह संदेश मिलता है कि जीवन का असली सुख श्रम, सादगी और आत्मीयता में है। चाहे वह खेतों में काम करना हो या किसी अन्य कार्य में, जब हम अपने कर्तव्यों को मन से निभाते हैं और सामूहिक रूप से काम करते हैं, तब हम वास्तविक खुशी और संतोष प्राप्त करते हैं। यही लेखक के अनुभव का सार है।

प्रश्न 25. "सपनों के से दिन " में लेखक ने जो शांति अनुभव की, वह कैसे प्राप्त हुई?

उत्तर 25: "सपनों के से दिन" में लेखक ने शांति उस समय अनुभव की जब वह शारीरिक श्रम और प्रकृति के बीच अपने समय को व्यतीत करता था। खेतों में काम करना, बैल चलाना और गाँव की सादगी में खो जाना उसे मानसिक शांति और संतोष प्रदान करता था। यही शांति उसे शहरी जीवन की भागदौड़ से दूर एक सजीव, शांतिपूर्ण संसार में ले आई थी।

प्रश्न 26. "सपनों के से दिन" में लेखक ने गाँव के लोगों को किस प्रकार के व्यक्तित्व का चित्रित किया है?

उत्तर 26: "सपनों के से दिन" में लेखक ने गाँव के लोगों को मेहनती, सरल और आत्मीय व्यक्तित्व का चित्रित किया है। वे अपने काम में खुश रहते हैं और एक-दूसरे की मदद करते हैं। उनकी यह साधारण और संघर्षपूर्ण जीवनशैली लेखक को बहुत प्रेरणादायक लगी, जिससे उसे जीवन के असली और सच्चे सुख का अहसास हुआ।

प्रश्न 27. "सपनों के से दिन" में लेखक का गाँव से वापस लौटने का निर्णय क्यों था?

उत्तर 27: "सपनों के से दिन" में लेखक का गाँव से वापस लौटने का निर्णय इसलिए था क्योंकि वह जानते थे कि शहरी जीवन के तनाव और भागदौड़ में वापस लौटना होगा। हालांकि गाँव का जीवन उसके लिए अविस्मरणीय था, वह शहरी जीवन के दायित्वों और जिम्मेदारियों की ओर लौटने के लिए विवश थे, लेकिन गाँव का अनुभव हमेशा उसके मन में रहेगा।

प्रश्न 28. "सपनों के से दिन" में लेखक ने प्रकृति और श्रम के महत्व को क्यों बताया?

उत्तर 28:"सपनों के से दिन" में लेखक ने प्रकृति और श्रम के महत्व को इस कारण बताया क्योंकि वह मानते थे कि यही असली जीवन है। खेतों में काम करना और प्राकृतिक वातावरण के साथ जुड़ना मानव जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस श्रम में जो संतोष और आत्मीयता है, वह शहरी जीवन के सुखों में नहीं मिलता।

प्रश्न 29. "सपनों के से दिन" में लेखक ने जो यादें संजोयी हैं, वे किस प्रकार की हैं?

उत्तर 29: "सपनों के से दिन" में लेखक ने जो यादें संजोयी हैं, वे शारीरिक श्रम, गाँव के वातावरण और वहाँ के लोगों के साथ बिताए गए समय की हैं। ये यादें उसे सादगी, मेहनत और सामूहिक जीवन के महत्व का अहसास दिलाती हैं। ये अनुभव उसके जीवन में स्थायी रूप से एक सुखद छाप छोड़ गए, जिन्हें वह हमेशा याद करेगा।

प्रश्न 30. "सपनों के से दिन" में लेखक को किस प्रकार के अविस्मरणीय अनुभव मिले?

उत्तर 30: "सपनों के से दिन" में लेखक को अविस्मरणीय अनुभव मिले जब उसने शारीरिक श्रम, प्राकृतिक सौंदर्य और ग्रामीण जीवन को नजदीक से महसूस किया। खेतों में काम करने, बैल चलाने, और गाँव के लोगों के साथ समय बिताने ने उसे असली सुख और संतोष का अहसास कराया। यह अनुभव उसे जीवनभर याद रहेगा और उसकी सोच को बदलने में महत्वपूर्ण साबित हुआ।

लघु उत्तरीय प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1. "सपनों के से दिन" में लेखक का कौन सा अनुभव सबसे प्रिय था?

उत्तर 1: लेखक का प्रिय अनुभव गाँव में खेतों में काम करने का था। शारीरिक श्रम और संतोष का अहसास उसे विशेष रूप से प्रिय था, क्योंकि यह उसे शहरी जीवन के तनाव से मुक्त कर देता था और मानसिक शांति प्रदान करता था।

प्रश्न 2. "सपनों के से दिन" में लेखक ने प्रकृति का क्या महत्व बताया?

उत्तर 2: लेखक ने प्रकृति को जीवन की शांति और संतोष का स्रोत बताया। गाँव में शारीरिक श्रम करते समय प्रकृति के बीच समय बिताना उसे मानसिक शांति और एक नए दृष्टिकोण से भरा हुआ अनुभव था, जो शहरी जीवन में दुर्लभ था।

प्रश्न 3. "सपनों के से दिन" में लेखक के गाँव में बिताए समय का क्या प्रभाव था?

उत्तर 3: लेखक के गाँव में बिताए गए समय ने उसे शहरी जीवन के मुकाबले सरलता, संतुष्टि और मानसिक शांति का अहसास कराया। गाँव के प्राकृतिक वातावरण और शारीरिक श्रम ने उसे वास्तविक जीवन के प्रति एक गहरी समझ दी।

प्रश्न 4. "सपनों के से दिन" में लेखक ने किस प्रकार की जीवनशैली को प्रेरणादायक बताया?

उत्तर 4: लेखक ने गाँव की सादी और श्रम आधारित जीवनशैली को प्रेरणादायक बताया, जो मानसिक शांति और आत्मिक संतोष देती थी। इस जीवनशैली ने उसे शहरी जीवन के तनाव और भ्रामकता से बाहर निकलकर सच्चे सुख का अनुभव कराया।

प्रश्न 5. "सपनों के से दिन" में लेखक को सबसे अधिक क्या सुख मिला?

उत्तर 5: लेखक को सबसे अधिक सुख शारीरिक श्रम और गाँव के शांतिपूर्ण वातावरण में समय बिताने से मिला। इसने उसे शहरी जीवन के तनाव से मुक्ति दी और एक सुकून भरा अनुभव दिया, जो जीवन की असली खुशी का अहसास दिलाता है।

प्रश्न 6. "सपनों के से दिन" में लेखक ने किस प्रकार के बच्चों का चित्रण किया है?

उत्तर 6: लेखक ने बच्चों को चंचल, सहज और जीवन से भरा हुआ दिखाया। वे गाँव के खुले आकाश में खेलते और अपनी मासूमियत के साथ जीवन का आनंद लेते हैं, जो उनके मानसिक संतोष और खुशी का प्रतीक था।

प्रश्न 7. "सपनों के से दिन" में लेखक ने श्रम को क्यों महत्वपूर्ण बताया?

उत्तर 7: लेखक ने श्रम को इसलिए महत्वपूर्ण बताया क्योंकि यह शारीरिक और मानसिक संतोष प्रदान करता है। शारीरिक श्रम में एकता और सामूहिक कार्य से जो खुशी मिलती है, वह शहरी जीवन में उपलब्ध नहीं होती, यह जीवन को सरल और सच्चा बनाता है।

प्रश्न 8. "सपनों के से दिन" में लेखक के लिए गाँव का वातावरण क्या था?

उत्तर 8: लेखक के लिए गाँव का वातावरण शांति, सादगी और संतोष से भरा हुआ था। यहाँ के लोग शारीरिक श्रम और सामूहिक कार्यों में लगे रहते थे, जो उसे शहरी जीवन से अलग मानसिक शांति और वास्तविक सुख का अनुभव कराते थे।

प्रश्न 9. "सपनों के से दिन" में लेखक ने किस भोजन का वर्णन किया है?

उत्तर 9: लेखक ने गाँव के ताजे और सादे भोजन का वर्णन किया है, जो स्वाद में भरपूर और स्वाभाविक था। यह भोजन न केवल शारीरिक ऊर्जा देता था, बल्कि इसकी सादगी ने लेखक को वास्तविक संतोष का अहसास भी कराया।

प्रश्न 10. "सपनों के से दिन" में लेखक को क्या नया अनुभव मिला?

उत्तर 10: लेखक को शारीरिक श्रम और प्रकृति के साथ जुड़ने का नया अनुभव मिला। इसने उसे जीवन के सच्चे अर्थ और शहरी जीवन की तुलना में अधिक संतोष और शांति का अहसास कराया। यह अनुभव जीवन की असली खुशी को समझने में मदद करता है।

प्रश्न 11. "सपनों के से दिन" में लेखक ने किस बात को विशेष रूप से याद किया?

उत्तर 11: लेखक ने गाँव के सरल जीवन और वहाँ के लोगों के साथ बिताए गए समय को विशेष रूप से याद किया। वहाँ का शांतिपूर्ण वातावरण और शारीरिक श्रम की संतुष्टि ने उसे शहरी जीवन के तनाव से बाहर एक सुकून महसूस कराया।

प्रश्न 12. "सपनों के से दिन" में लेखक के लिए शांति का स्रोत क्या था?

उत्तर 12: लेखक के लिए शांति का स्रोत गाँव का शारीरिक श्रम और प्रकृति का साथ था। यहाँ के शांतिपूर्ण वातावरण में कार्य करते हुए उसे मानसिक शांति और आत्मिक संतोष का अनुभव हुआ, जो शहरी जीवन में कभी नहीं मिलता।

प्रश्न 13. "सपनों के से दिन" में लेखक ने जीवन का असली सुख किसे बताया?

उत्तर 13: लेखक ने जीवन का असली सुख शारीरिक श्रम और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन को बताया। गाँव में बिताए गए समय ने उसे सच्चे सुख का अहसास कराया, जो शहरी जीवन में संघर्षों और तनावों से मुक्त था।

प्रश्न 14. "सपनों के से दिन" में लेखक के गाँव से लौटने का कारण क्या था?

उत्तर 14: लेखक का गाँव से लौटने का कारण शहरी जीवन की जिम्मेदारियाँ और कार्य थे। हालांकि गाँव का अनुभव उसके मन में हमेशा रहेगा, जहाँ उसने शांति, सादगी और श्रम के साथ सच्ची खुशी महसूस की थी।

प्रश्न 15. "सपनों के से दिन" में लेखक के अनुभवों का समाज पर क्या असर पड़ा?

उत्तर 15: लेखक के अनुभवों ने समाज के प्रति उसके दृष्टिकोण को बदला। उसे शहरी जीवन के तनाव से बाहर गाँव के जीवन की सादगी और श्रम के महत्व का अहसास हुआ, जो जीवन को वास्तविक संतोष प्रदान करता है।

प्रश्न 16. "सपनों के से दिन" में लेखक ने गाँव के किस पक्ष को खास बताया?

उत्तर 16: लेखक ने गाँव के साधारण जीवन और सामूहिक श्रम को खास बताया। यहाँ का शारीरिक श्रम, प्रकृति और शांतिपूर्ण वातावरण उसे मानसिक शांति और आत्मिक संतोष देता था, जो शहरी जीवन में अक्सर गायब रहता है।

प्रश्न 17. "सपनों के से दिन" में लेखक के लिए परिवार का क्या महत्व था?

उत्तर 17: लेखक ने परिवार को गाँव के जीवन में एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना। परिवार के सदस्य मिलकर शारीरिक श्रम करते थे, और यह सामूहिक कार्य जीवन के असली सुख का अहसास कराता था, जो शहरी जीवन में काफ़ी कम होता है।

प्रश्न 18. "सपनों के से दिन" में लेखक ने किस प्राकृतिक तत्व को विशेष रूप से सराहा?

उत्तर 18: लेखक ने गाँव की हरियाली और खुले आकाश को विशेष रूप से सराहा। यह प्राकृतिक सौंदर्य उसे शांति और ताजगी का अहसास कराता था, और शहरी जीवन की हलचल से दूर उसका मानसिक संतोष बढ़ाता था।

प्रश्न 19. "सपनों के से दिन" में लेखक ने किस बात पर जोर दिया?

उत्तर 19: लेखक ने शारीरिक श्रम, प्राकृतिक वातावरण और सामूहिक जीवन के महत्व पर जोर दिया। इन सबका जीवन में संतोष और मानसिक शांति के लिए आवश्यक होना उसे महसूस हुआ, जो शहरी जीवन में अक्सर गायब होता है।

प्रश्न 20. "सपनों के से दिन" में लेखक ने शहरी जीवन की तुलना में क्या पाया?

उत्तर 20: लेखक ने शहरी जीवन की तुलना में गाँव के जीवन में अधिक संतोष और शांति पाई। गाँव का शांतिपूर्ण वातावरण, शारीरिक श्रम और प्रकृति का संपर्क शहरी तनाव से मुक्त जीवन का अहसास कराता था।

रिक्त स्थान भरें

- लेखक ने "सपनों के से दिन" में गाँव के _____ में बिताए समय का वर्णन किया।
  (उत्तर: शारीरिक श्रम)

- "सपनों के से दिन" में लेखक के लिए _____ जीवन का असली सुख था।
  (उत्तर: शारीरिक श्रम और संतोष)
- लेखक ने "सपनों के से दिन" में प्रकृति को _____ का स्रोत बताया।
  (उत्तर: शांति और संतोष)
- "सपनों के से दिन" में लेखक ने गाँव की जीवनशैली को _____ बताया।
  (उत्तर: सरल और सादगीपूर्ण)
- लेखक के अनुसार, "सपनों के से दिन" में _____ ने उसे मानसिक शांति का अहसास कराया।
  (उत्तर: गाँव का शांतिपूर्ण वातावरण)
- "सपनों के से दिन" में लेखक ने बच्चों को _____ के रूप में चित्रित किया।
  (उत्तर: चंचल और खुशमिजाज)
- "सपनों के से दिन" में लेखक ने शहरी जीवन के _____ से छुटकारा पाने का अनुभव किया।
  (उत्तर: तनाव)
- "सपनों के से दिन" में लेखक ने गाँव के ताजे और _____ भोजन का वर्णन किया।
  (उत्तर: सादा)
- "सपनों के से दिन" में लेखक ने शहरी जीवन की _____ के मुकाबले गाँव की सादी जीवनशैली को पसंद किया।
  (उत्तर: जटिलता)
- लेखक ने "सपनों के से दिन" में श्रम को _____ के रूप में महत्वपूर्ण बताया।
  (उत्तर: मानसिक संतोष और शांति)
- "सपनों के से दिन" में लेखक ने परिवार के साथ _____ को जरूरी बताया।
  (उत्तर: सामूहिक श्रम)
- लेखक ने "सपनों के से दिन" में गाँव के _____ को विशेष रूप से सराहा।
  (उत्तर: हरियाली और खुले आकाश)
- "सपनों के से दिन" में लेखक ने शारीरिक श्रम को _____ के रूप में देखा।
  (उत्तर: मानसिक शांति)
- लेखक ने "सपनों के से दिन" में शहरी जीवन के _____ से निकलने का अनुभव किया।
  (उत्तर: तनाव और जटिलताओं)
- "सपनों के से दिन" में लेखक ने गाँव में बिताए समय को _____ कहा।
  (उत्तर: अमूल्य और अविस्मरणीय)

- "सपनों के से दिन" में लेखक ने बच्चों को _____ के रूप में चित्रित किया।
  (उत्तर: सरल और खुशहाल)
- लेखक ने "सपनों के से दिन" में प्राकृतिक सौंदर्य और _____ के महत्व को बताया।
  (उत्तर: शारीरिक श्रम)
- "सपनों के से दिन" में लेखक ने गाँव में बिताए समय के बाद _____ की आवश्यकता महसूस की।
  (उत्तर: शहरी जीवन की जिम्मेदारियाँ)
- "सपनों के से दिन" में लेखक ने गाँव के जीवन को _____ और शांति का स्रोत बताया।
  (उत्तर: संतोष)
- "सपनों के से दिन" में लेखक ने शहरी जीवन के _____ की तुलना में गाँव के जीवन की सादगी को सराहा।
  (उत्तर: तनाव)

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. "सपनों के से दिन" में लेखक ने किस जीवनशैली को सराहा?
   A) शहरी जीवन
   B) गाँव की जीवनशैली
   C) औद्योगिक जीवन
   D) बौद्धिक जीवन
   उत्तर: B) गाँव की जीवनशैली

2. लेखक के अनुसार "सपनों के से दिन" में क्या सबसे महत्वपूर्ण था?
   A) शारीरिक श्रम
   B) शिक्षा
   C) आर्थिक सफलता
   D) मानसिक शांति
   उत्तर: A) शारीरिक श्रम

3. "सपनों के से दिन" में लेखक ने गाँव के जीवन को कैसे वर्णित किया?
   A) जटिल और संघर्षपूर्ण
   B) सरल और शांतिपूर्ण
   C) सुविधाओं से भरा

D) अत्यधिक व्यस्त

उत्तर: **B)** सरल और शांतिपूर्ण

4. लेखक ने "सपनों के से दिन" में किसकी कमी महसूस की?

A) भोजन

B) शहरी जीवन का तनाव

C) खेल कूद

D) परिवार

उत्तर: **B)** शहरी जीवन का तनाव

5. "सपनों के से दिन" में लेखक ने बच्चों को किस रूप में प्रस्तुत किया?

A) गंभीर

B) चंचल और खुशमिजाज

C) आलसी

D) डरपोक

उत्तर: **B)** चंचल और खुशमिजाज

6. "सपनों के से दिन" में लेखक ने किसकी सराहना की?

A) शहरी जीवन की सुविधाओं

B) गाँव की सादगी और शांति

C) औद्योगिक विकास

D) बौद्धिक परिश्रम

उत्तर: **B)** गाँव की सादगी और शांति

7. लेखक ने "सपनों के से दिन" में किस प्रकार के भोजन का वर्णन किया?

A) विदेशी भोजन

B) ताजे और सादे भोजन

C) शहरी खानपान

D) व्रत का भोजन

उत्तर: **B)** ताजे और सादे भोजन

8. "सपनों के से दिन" में लेखक ने शहरी जीवन के _____ को नकारा किया।

A) तनाव

B) शांति

C) शिक्षा

D) संगीत

उत्तर: **A)** तनाव

9. "सपनों के से दिन" में लेखक ने किसकी तुलना में गाँव के जीवन को बेहतर बताया?

A) शहरी जीवन की जटिलताओं

B) धार्मिक जीवन

C) आर्थिक स्थिति

D) औद्योगिक विकास

उत्तर: **A)** शहरी जीवन की जटिलताओं

10. "सपनों के से दिन" में लेखक ने शारीरिक श्रम को किस रूप में देखा?

A) बुरा

B) मानसिक संतोष का स्रोत

C) समय की बर्बादी

D) शरीर के लिए हानिकारक

उत्तर: **B)** मानसिक संतोष का स्रोत

True or False (सही या गलत)

- लेखक ने "सपनों के से दिन" में शहरी जीवन को सरल और शांतिपूर्ण बताया है।

  उत्तर: गलत

- "सपनों के से दिन" में लेखक ने गाँव के जीवन की सादगी और शांति की सराहना की है।

  उत्तर: सही

- लेखक के अनुसार, शारीरिक श्रम मानसिक शांति का कारण बनता है।

  उत्तर: सही

- "सपनों के से दिन" में लेखक ने बच्चों को आलसी और नकारात्मक रूप में प्रस्तुत किया है।

  उत्तर: गलत

- लेखक ने "सपनों के से दिन" में शहरी जीवन के तनाव को नकारा है।

  उत्तर: सही

- "सपनों के से दिन" में लेखक ने ताजे और सादे भोजन को सबसे महत्वपूर्ण बताया है।

  उत्तर: सही

- लेखक के अनुसार, शहरी जीवन की जटिलताएँ गाँव के जीवन से बेहतर हैं।

  उत्तर: गलत

- "सपनों के से दिन" में लेखक ने गाँव के जीवन को शारीरिक श्रम से मुक्त और आरामदायक बताया है।

  उत्तर: गलत

- लेखक ने "सपनों के से दिन" में शहरी खानपान को अत्यधिक सराहा है।

  उत्तर: गलत

- "सपनों के से दिन" में लेखक ने जीवन की सरलता और शांति को प्राथमिकता दी है।

  उत्तर: सही